उद्यमी मित्रों-जिला उद्योग उपायुक्तों के कार्यों की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ : निवेश परियोजनाओं को लेकर प्रदेश में पहली बार उद्यमी मित्रों व जिला उद्योग उपायुक्तों का कामकाज की समीक्षा की जा रही है। पिकप भवन में इन्वेस्ट यूपी की तरफ से की जा रही समीक्षा में उद्यमी मित्रों व जिला उद्योग उपायुक्तों को यह लक्ष्य दिया जा रहा है कि निवेश परियोजनाओं में किसी स्तर पर देर न हो। निवेश के लिए जिला स्तर पर रणनीति बनाने की कोशिश को लेकर सोमवार से जिलावार शुरू हुई यह समीक्षा आठ जुलाई तक चलेगी।

इन्वेस्ट यूपी की इस पहल के बारे में मुख्य सचिव ने कहा कि उद्योग मित्र निवेशकों के लिए जमीनी स्तर पर अहम भूमिका निभाते हैं। यह व्यापक समीक्षा प्रक्रियागत चुनौतियों को दूर करने व जिला स्तर पर मजबूत रणनीति विकसित करने में सहायक होगी। इन्वेस्ट यूपी का सीईओ बनने के बाद विजय किरन आनंद ने 28 अप्रैल को उद्यमी मित्रों की कार्यशाला का आयोजन किया था। इसमें जिलावार निवेश का आंकड़ा पेश किया गया था। साथ ही इन्वेस्ट यूपी की टीम ने 14 जिलों का दौरा कर निवेश परियोजनाओं की भौतिक प्रगति की जानकारी ली थी। तमाम परियोजनाओं में एनओसी देरी से जारी होने की बात सामने आई थी। नतीजतन इन्वेस्ट यूपी ने अब उद्यमी मित्रों व जिला उद्योग उपायुक्तों की एक साथ समीक्षा शुरू की है, जिससे दोनों के बीच तालमेल बढ़े और निवेश में आ रही अड़चनों को दूर किया जा सके। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में शुरू हुई समीक्षा बैठक में 115 उद्यमी मित्र व संबंधित जिला उद्योग उपायुक्त भाग ले रहे हैं। इन्वेस्ट यूपी की तरफ से उद्यमी मित्रों व जिला उद्योग उपायुक्तों को नए सिरे से लक्ष्य भी दिया जा रहा है।

******